भारतीय जनता पार्टी
राष्ट्रीय परिषद् की बैठक
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
23–24, दिसम्बर 2007

श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का मार्गदर्शन
पार्टी में गुटबाजी को कोई स्थान नहीं : अटलजी

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि पार्टी का वातावरण बदलना चाहिए। पार्टी में गुटबाजी का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हमें संगठन का काम हंसते हुए, खेलते हुए, मस्ती के साथ सभी को साथ लेकर करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरे सामने ऐसे लोग बैठे हैं जिन्होंने संगठन और विचारधारा के लिए जवानियां लुटा दी। उन्होंने कहा कि हम थकान को दूर करते हुए वर्तमान में जो चुनौतियां देश के सामने है उसे स्वीकार करें और इससे दो–दो हाथ करने के लिए स्वयं को तैयार करें।

श्री वाजपेयी लखनऊ स्थित निराला नगर के श्री सुन्दर सिंह भण्डारी परिसर में आयोजित भाजपा के दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद बैठक के समापन अवसर पर बोल रहे थे। श्री वाजपेयी ने कहा कि लखनऊ मेरा चुनाव क्षेत्र है। मैं यहां से कई बार चुनाव लड़ चुका हूं। इसलिए मुझे यह चिंता थी कि लखनऊ में हमारा सम्मेलन कैसे सम्पन्न होगा। मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने राष्ट्रीय परिषद की बैठक के लिए लखनऊ को चुना। यहां जो कुछ भी त्रुटि हुई होगी उसके लिए मैं भी जिम्मेदार हूं।

श्री वाजपेयी ने कहा कि हम किस परिस्थिति से उत्तर प्रदेश में गुजर रहे हैं यह सब देशवासियों को नहीं मालूम है। उत्तर प्रदेश की मुलायम सरकार ने जो हमारा आवभगत किया है उसके लिए हम आभारी हैं। लेकिन हम अपने कार्यकर्ताओं की उन हत्याओं को नहीं भूल सकते जो पिछले कुछ वर्षो में हुए हैं। राजनीति में मतभेद हो सकते हैं लेकिन इस कारण विरोधी कार्यकर्ता की हत्या कर दी जाय यह कहां तक न्यायोचित है। मुझे वो घटना याद है कि किस प्रकार हमारे एक कार्यकर्ता का सिर काट दिया गया था। गुस्से के कई कारण हो सकते हैं, रंजिश भी हो सकती है लेकिन इस सभ्य युग में जहां हम मानवाधिकारों की बात करते है क्या सिर काटना उचित है? यहां एक नहीं ऐसी घटनाओं के अनेक उदाहरण हैं। उत्तर प्रदेश की परिस्थितियां चुनौतियां भरी हैं और हमें इसका सामना करना होगा।

उत्तर प्रदेश में हमारी पहले जैसी स्थिति थी हमें वैसी ही स्थिति लानी होगी। पार्टी को फिर से उत्थान की ओर ले जाना होगा। पार्टी को और प्रभावी बनाना है। मित्रों दिल्ली का रास्ता लखनऊ होकर जाता है। इसलिए लखनऊ से हमें अपना रास्ता बनाना होगा और इसे पूर्व की स्थिति में लाना होगा। देश करवट ले रहा है। सम्भावनाओं के द्वार खुल गये हैं। परिवर्तन हमारी बाट जोह रही है। हम सब को परिश्रम करके सहयोग के साथ आने वाले परिवर्तन की तैयारी करनी होगी। उत्तर प्रदेश का चुनाव केवल प्रदेश तक सीमित नहीं है। इसके परिणाम आगे तक होंगे।

मैं समझता हूं कि जब देश की राजनीति ध्येय को छोड़ कर मूल्यों की चिंता न करके आम आदमियों के कल्याण के बारे में बेखबर रहते हुए काम कर रहा हो तब हमें इस स्थिति को बदलना होगा और सम्भालना होगा। उत्तर प्रदेश के बारे में मैं ज्यादा कह रहा हूं। क्योंकि यहां अधिवेशन हो रहा है। एक भावी का संकेत है यह सत्ता की लड़ाई नहीं है न यह केवल वोटों का खेल है। बल्कि जो हमारे जीवन मूल्य और राष्ट्रीय आदर्श है वह कर्तव्यपरायणता हमें पुकार–पुकार कर बुला रही है। आज इसका तकाजा है। उत्तर प्रदेश के लोग वक्त के बदलते करवट को समझे और पूरी तौर पर प्रदेश को परिवर्तन के लिए तैयार करें।